

प्रेषक,

मनोज चन्द्रन
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक
उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून

29
दिनांक मार्च, 2013

विषय:- अनुदान सं०-27 के आयोजनागत पक्ष की केन्द्र पुरोनिधानित योजना "प्रोजेक्ट टाइगर" के अन्तर्गत वर्ष 2012-13 की वित्तीय स्वीकृति.
महोदय,

उपरोक्त विषयक भारत सरकार के पत्र सं०-4-1(1)/2012-PT दिनांक 21 मार्च, 2013 तथा पत्र सं०-4-1(1)/2012-PT दिनांक 21 मार्च, 2013 एवं तदक्रम में अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्र सं०-नि: 1847/3-6(प्रोजेक्ट टाइगर) दिनांक 22 मार्च, 2013 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग के अन्तर्गत संचालित "प्रोजेक्ट टाइगर" योजना के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में प्राविधानित आय-व्ययक के सापेक्ष पूर्व में शासनादेश संख्या-1298/X-2-2012-12(44)2006/दिनांक 23 जुलाई, 2012 से निर्गत वित्तीय स्वीकृति ₹ 136.09 लाख एवं शासनादेश संख्या- 1913/X-2-2012-12(44)2006 दिनांक 05 नवम्बर, 2012 से निर्गत वित्तीय स्वीकृति ₹ 166.29 लाख, शासनादेश संख्या- 91/ X-2-2013-12(44)2006 दिनांक 09 जनवरी, 2013 से निर्गत वित्तीय स्वीकृति ₹ 129.64 लाख के अतिरिक्त चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिये विभागीय प्रस्ताव के क्रम ₹ 71.255 लाख केन्द्रांश के साथ समतुल्य राज्यांश ₹ 42.855 लाख जोड़ते हुये संलग्न बी०एम० 9 पर उल्लिखित पुनर्विनियोग विवरण के साथ ₹ 1,14,11,000/- (एक करोड़ चौहद लाख ग्यारह हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1) निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति का उपयोग भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कार्यों हेतु उनके द्वारा अनुमोदित कार्य योजना अनुसार कार्यवार इंगित सीमा अन्तर्गत ही किया जायेगा.
- (2) उक्त धनराशि वर्णित योजना हेतु सक्षम स्तर से अनुमोदित कार्य योजना अन्तर्गत स्वीकृत कार्यों/मदों पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग अन्य कार्यों के क्रियान्वयन के लिए न किया जाय.
- (3) उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं०-321/XXVII(1)/2012, दिनांक 19 जून, 2012 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार कार्यवाही की जाय. शासन द्वारा वांछित सूचनायें एवं विवरण निर्धारित प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1(वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1(लेखा नियम), वित्तीय हस्त पुस्तिका खण्ड-7, आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्चोरमेंट) नियमावली, 2008, तथा समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा जारी वित्तीय नियमों/शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय.
- (4) बजट प्राविधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है. अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय.
- (5) आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी०एम०-17 पर प्रत्येक माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा.
- (6) बी०एम०-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 05 तारिख तक पूर्ण माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय.
- (7) यह संज्ञान में आया है कि धनराशि विभागाध्यक्षों के निर्वर्तन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्षों द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निर्वर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है. अतः आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय, जिससे की फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो, परन्तु यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि धनराशि का आहरण वास्तविक मांग आधार पर किशतों में किया जाय.

- (8) अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय को फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-फ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो.
- (9) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय.
- (10) व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है. अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय.
- (11) योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय.
- (12) धनराशि का आहरण/व्यय यथा आवश्यकता ही किया जायेगा.
- (13) यह भी सुनिश्चित किया जाये कि मजदूरी तथा व्यावसायिक सेवाओं के लिये भुगतान मदों के अन्तर्गत आउटसोर्सिंग से कार्मिकों की संख्या सम्बन्धित ईकाई में समकक्ष स्तर के स्वीकृत परन्तु रिक्त पदों की अधिकतम सीमा अन्तर्गत अथवा वित्त विभाग की पूर्व सहमति से स्वीकृत सीमा, इनमें से जो भी कम हो, के अन्तर्गत ही रहेगी।
- (14) मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं०-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी.
- (15) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय.
- (16) निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृतियों से कराये जाने वाले कार्यों की सूचना यथा आवश्यकतानुसार सुराज, भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं जनसेवा विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं०-1638/XXX-1-12(25)/2011 दिनांक 08 दिसम्बर, 2011 द्वारा अपेक्षित राज्य सरकार की वेब साइट www.ua.nic.in तथा विभाग की वेब साइट यदि कोई हो पर अनिवार्य रूप से प्रकाशित की जायेगी और उन्हें समय-समय पर अध्यावधिक किया जायेगा.
- (17) निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति का आवंटन पत्र कम्प्यूटर के माध्यम से जनरेट किया गया है एवं इसका Allotment Id S1303270774 है। आप भी अपने स्तर से अधिनस्थ आहरण वितरण अधिकारियों को कम्प्यूटर के माध्यम से Online बजट आवंटन करना सुनिश्चित करेंगे.
- (18) व्यय करने से पूर्व यह पुनः सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि वित्तीय वर्ष 2012-13 में इस स्वीकृति सहित अब तक अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष केन्द्रांश प्राप्त है/पूर्व वर्ष में अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष केन्द्रांश उपलब्ध है और यदि यह पाया जाता है कि अनुपातिक केन्द्रांश अप्राप्त है अथवा अपूर्ण प्राप्त है, तदनुसार ही कम धनराशि व्यय की जायेगी। केन्द्रांश की अग्रेत्तर किश्त से समायोजित करा ली जायेगी।

2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के स्वीकृत आय-व्यय के सापेक्ष अनुदान सं०-27 के लेखाशीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 02-पर्यावरणीय वानिकी तथा वन्य जीवन 110-वन्य जीवन परिरक्षण 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें 0108-“प्रोजेक्ट टाइगर” हेतु निम्नलिखित तालिका में अंकित विवरणानुसार संगत मदों के नामे डाला जायेगा एवं इस प्रयोजन हेतु ऑन लाइन बजट आवंटन हार्ड कॉपी भी संलग्न है।

(धनराशि ₹हजार में)

क. सं.	मानक मद	बजट प्राविधान	प्रथम अनुपूरक अनुदान से प्राप्त बजट	आयोजनागत पक्ष का कुल बजट	निर्गत धनराशि	अवशेष बजट	वर्तमान वित्तीय स्वीकृति	अभ्युक्ति
1	02- मजदूरी (+6799 पुनर्विनियोग)	6800	8499	15299	6800	8499	1624	(-)2618 पुनर्विनियोग
2	06- अन्य मत्ते (-1049 पुनर्विनियोग से निकाला)	4251	0	4251	2263	1988	2013	(+)25 पुनर्विनियोग
3	08- कार्यालय व्यय	1000	500	1500	100	1400	0	
4	09- विद्युत देय	1000	0	1000	0	1000	0	
5	10- जलकर/जल प्रभार	200	0	200	0	200	0	

6	11- लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई (-100 पुनर्विनियोग से निकाला)	200	0	200	200	0	0	
7	12- कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण (-400 पुनर्विनियोग से निकाला)	100	0	100	100	0	0	
8	13- टेलीफोन पर व्यय	500	0	500	100	400	0	
9	14- कार्यालय प्रयागार्थ स्टाफ कारों/मोटर गाड़ियों का क़य (-2000 पुनर्विनियोग से निकाला)	0	0	0	0	0	0	
10	15- गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की ख़रीद	3000	0	3000	2400	600	700	(+)100 पुनर्विनियोग
11	16- व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	200	0	200	95	105	25	
12	18- प्रकाशन	200	0	200	160	40	40	
13	20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	1000	0	1000	420	580	380	
14	23- गुप्त सेवा व्यय	500	0	500	50	450	0	
15	25- लघु निर्माण कार्य	1400	3600	5000	4000	1000	1500	(+)500 पुनर्विनियोग
16	26- मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र (-150 पुनर्विनियोग से निकाला)	2350	0	2350	1700	650	650	
17	29- अनुरक्षण	15000	10000	25000	23044	1956	3949	(+)1993 पुनर्विनियोग
18	42- अन्य व्यय (-3100 पुनर्विनियोग से निकाला)	1900	0	1900	1450	450	450	
19	44- प्रशिक्षण व्यय	1	999	1000	320	680	80	
	योग	39602	23598	63200	43202	19998	11411	

(उपरोक्तानुसार वर्तमान वित्तीय स्वीकृति रैंक करोड़ चौदह लाख ग्यारह हजार मात्र)

3. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या- .232(P)/XXVII(4)/2012, दिनांक 28 मार्च, 2013 द्वारा प्रदत्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है.

संलग्नक-यथोपरि.

भवदीय

(मनोज चन्द्रन)

अपर सचिव

संख्या- 674 (1)/X-2-2013, तदुद्दिनांकित.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार(लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
2. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून.
3. प्रमुख वन संरक्षक(वन्य जीव)/मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक, उत्तराखण्ड, शिविर कार्यालय-देहरादून.
4. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून.
5. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन तथा लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
6. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
7. प्रमुख सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
8. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
9. आयुक्त, कुमाऊँ मण्डल.
10. सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
11. निदेशक, कार्बेट टाइगर रिजर्व, उत्तराखण्ड, रामनगर(नैनीताल).
12. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून.
13. निदेशक, कोषागार एवं वित्त एवं सेवायें, वित्तीय डाटा सेन्टर, 23-लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून को पुनर्विनियोग प्रपत्र बी0एम0 9 की प्रति के साथ अग्रेतर कार्यवाही हेतु।
14. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ/सम्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
15. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
16. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
17. प्रभारी, मिडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.

ओझा से,

(मन्मोज चन्दन)

अपर सचिव

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20122013

Secretary, Forest (S016)

आवंटन पत्र संख्या - S1303270774

अनुदान संख्या - 027

अलोटमेंट आई डी - S1303270774

आवंटन पत्र दिनांक - 29-Mar-2013

HOD Name - Principal Chief Conservator of Forest (4260)

1: लेखा शीर्षक - 2406 - वानिकी तथा वन्य जीवन

110 - वन्य जीवन परिरक्षण

08 - प्रोजेक्ट टाइगर (100%के0 स0)

02 - पर्यावरणीय वानिकी तथा वन्य जीवन

01 - केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योज

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
02 - मजदूरी	6800000	1624000	8424000
06 - अन्य भत्ते	2263000	2013000	4276000
08 - कार्यालय व्यय	100000	0	100000
11 - लेखन सामग्री और फार्मों की	200000	0	200000
12 - कार्यालय फर्निचर एवं उपकरण	100000	0	100000
13 - टेलीफोन पर व्यय	100000	0	100000
15 - गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट	2400000	700000	3100000
16 - व्यावसायिक तथा विशेष सेवा	95000	25000	120000
18 - प्रकाशन	160000	40000	200000
20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज	420000	380000	800000
23 - गृह सेवा व्यय	50000	0	50000
25 - लघु निर्माण कार्य	4000000	1500000	5500000
26 - मशीनें और सज्जा /उपकरण औ	1700000	650000	2350000
29 - अनुरक्षण	23044000	3949000	26993000
42 - अन्य व्यय	1450000	450000	1900000
44 - प्रशिक्षण व्यय	320000	80000	400000
	43202000	11411000	54613000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

11411000

उत्तराखण्ड शासन
(वित्तीय वर्ष 2012-2013)
बी.एम. - 09

अनुदान संख्या - 027

पुनर्विनियोग स्वीकृति आदेश संख्या - 232(1)(P)/XXVII(4)/2012

अलोटमेंट आईडी - R1303270391
दिनांक - 29-Mar-2013


क्रम संख्या	बजट प्राविधान तथा लेखासिर्षक (1)	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय (2)	वित्तीय वर्ष के अवधि में अनुमानित व्यय (3)	अवशेष सरप्लस समायोजित धनराशी (4)	लेखासिर्षक जिसमें धनराशी स्थानान्तरित की जानी है (5)	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ -5 की कुल धनराशी (6)	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ -1 में कुल धनराशी (7)	अभियक्ति (In Rupees)
	2406 बानिकी तथा वन्य जीवन 02 पर्यावरणीय बानिकी तथा वन्य जीवन 110 वन्य जीवन परिरक्षण 01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधा 08 प्रोजेक्ट टाइगर (100%के0 स0) (Plan Voted)				2406 बानिकी तथा वन्य जीवन 02 पर्यावरणीय बानिकी तथा वन्य र्ज 110 वन्य जीवन परिरक्षण 01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पु 08 प्रोजेक्ट टाइगर (100%के0 स0) (Plan Voted)			
1	02 - मजदूरी 15299000	6799822	5881178	2618000	06 - अन्य भत्ते 25000	4276000	12681000	
	योग			2618000	15 - गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल 100000	3100000		
					25 - लघु निर्माण कार्य 500000	5500000		
					29 - अनुरक्षण 1993000	26993000		
					योग 2618000			




प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

पुनर्विनियोग किये जाने हेतु प्रपत्र 15 की मूल प्रति वित्तीय डाटा सेंटर 23- लक्ष्मी रोड डालनवाला, देहरादून को उपलब्ध करायी जाय

प्रमाणित किया जाता है कि पैरा 133 व 134 में निर्धारित शर्तों का इस पुनर्विनियोग में उल्लंघन नहीं किया गया है।

संख्या आर०ई०/२००६७४/१९७४२२ - दिनांक 29.03.13 से

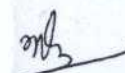
हस्ताक्षर : 
नाम व पदनाम : अपर सचिव, वन एवं पर्यावरण
प्रशासनिक विभाग : उत्तराखण्ड शासन

हस्ताक्षर : 
नाम व पदनाम : 
वित्त विभाग : 
अपर सचिव, वित्त

संख्या 674/अ-2-13 दिनांक 29.03.13

मिशनरियर को सूचनार्थ व आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित:-

1. सम्बन्धित विभाग/मिशनरियर/मिशनरियर अधिकारी,
2. मिशनरियर कोषागार 23 लक्ष्मी रोड, जलनवाला, देहरादून,
3. ड्रग/वस्त्र कोषाधिकारी - - - - -
4. विद्युत (व्यय निर्दिष्ट) अनुभाग

हस्ताक्षर: 

(सोपमजी जोशी)

नाम व पदनाम अपर सचिव, वित्त
उत्तराखण्ड सरकार

वित्त विभाग